गतिविधि - 6

समस्या अध्ययन

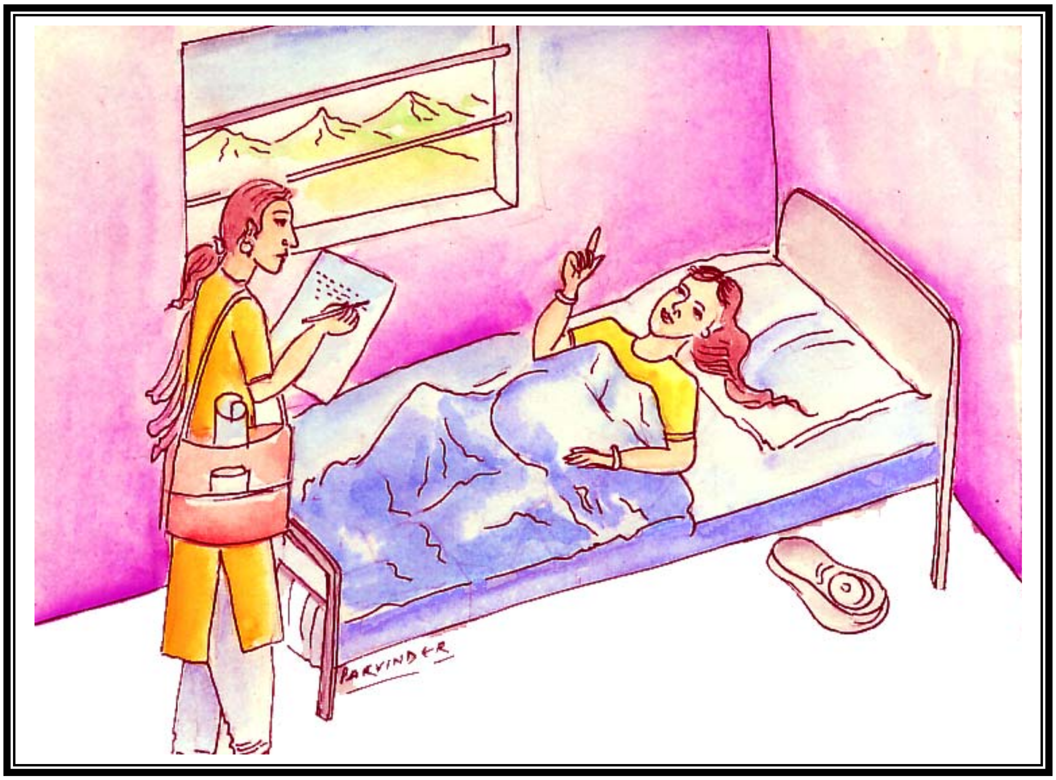

गतिविधि - 6

समस्या अध्ययन
(Case Study)

समस्या अध्ययन **(Case Study)** किसी भी समस्या के अध्ययन के लिए एक प्रभावशाली साधन है। इसके अंतर्गत समस्या अध्ययन के लिए प्रस्तुत व्यक्ति उस समस्या विशेष के सभी पहलुओं को भली प्रकार से समझ जाता है। किशोर-शिक्षा के क्षेत्र में समस्या अध्ययन का प्रयोग किशोरावस्था प्रजनन एवं यौन स्वास्थ्य सम्बन्धी महत्त्वपूर्ण समस्याओं को अधिक अच्छी तरह समझने में सहायक होगा। इस गतिविधि में प्रजनन एवं यौन-स्वास्थ्य तथा वृद्धि सम्बन्धी बहुत से पहलुओं को अध्ययनरत छात्रों के सामने रखा जा सकता है। उसके बाद छात्र अध्ययन के दौरान उभरने वाले किसी भी प्रश्न पर विचार विमर्श कर सकते हैं। इस गतिविधि के द्वारा भी किशोरों में समुचित कौशलों का विकास होता है।

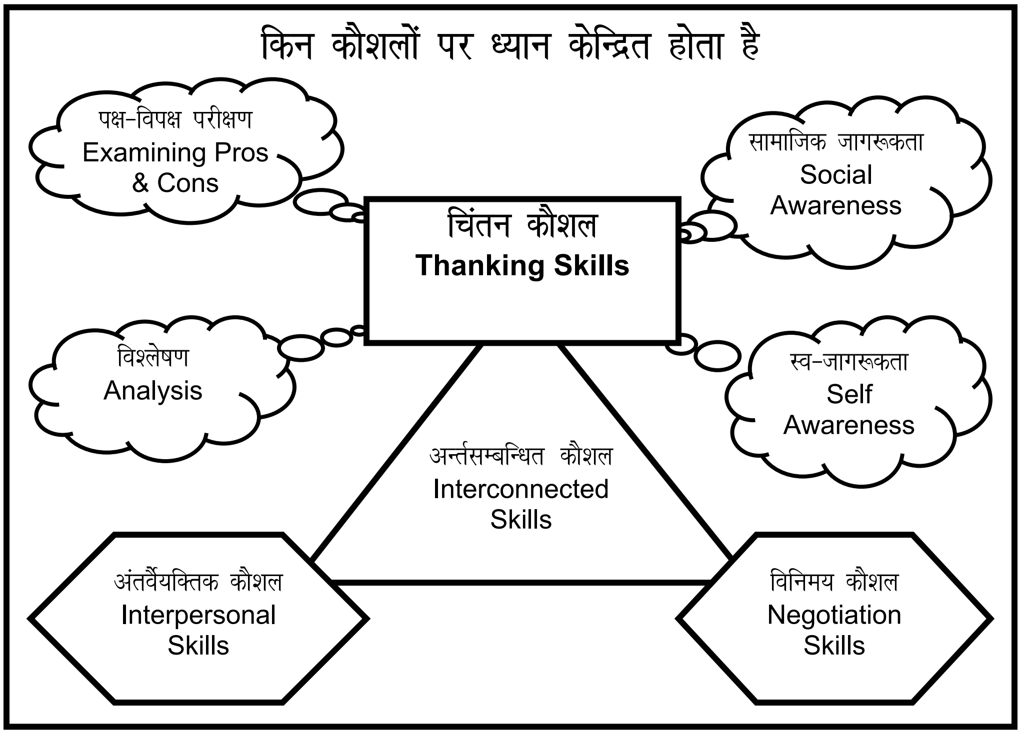

उद्देश्य

1. भारतीय सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों के अनुरूप यौन के प्रति स्वस्थ दृष्टिकोण तथा विपरीतलिंगी व्यक्ति के प्रति उत्तरदायित्वपूर्ण व्यवहार का विकास।

2. छात्रों की एड्स के संभावित प्रभावों को समझने में तथा एच आई वी सम्बन्धी विषयों के बारे में सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में सहायता करना।

3. छात्रों में मादक पदार्थों के प्रति प्रलोभनों का प्रतिकार करने सहित संभाव्य आपत्तिजनक स्थितियों को दृढ़तापूर्वक नकारने के लिए कौशल का विकास।

लक्षित समूह

सातवीं से बारहवीं कक्षा के किशोरवय छात्र

वांछित सुविधाएं

स्कूलों में उपलब्ध सामान्य सुविधाएं।

समय

पाक्षिक/मासिक - केवल एक घण्टा।

प्रक्रिया

1. यह गतिविधि कक्षावार आयोजित की जाए।

2. शिक्षक को प्रत्येक छात्र की भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए।

3. इस गतिविधि को आयोजित करने के लिए शिक्षक को अच्छी तरह पूर्वाभ्यास करना चाहिए।

4. शिक्षक को समाचार-पत्र, पत्रिका, समाचार अंक अथवा अन्य माध्यमों से उपलब्ध साधारण, वास्तविक, उपयोगी तथा छोटी-छोटी समस्या

अध्ययन विषयक सामग्री का चयन करना चाहिए। सामग्री का चयन करते हुए छात्रों की आयु का ध्यान रखना चाहिए।

5. शिक्षक को चाहिए कि वे छात्रों के लिए समस्या अध्ययन को धीरे-धीरे पढ़ें।

6. समस्या अध्ययन को पढ़ने के बाद शिक्षक कुछ प्रश्न करे जिससे छात्रों को आपस में विचार-विमर्श करने में सहायता मिले।

7. शिक्षक यह सुनिश्चित करे कि समस्या अध्ययन के सभी पहलुओं पर सौहार्दपूर्ण वातावरण में विचार-विमर्श होना चाहिए।

8. इस गतिविधि का आयोजन करते हुए शिक्षक इस बात का विशेष ध्यान रखे कि वह कोई मूल्यपरक निर्णय न दे।

समस्या अध्ययन के उदाहरण

समस्या अध्ययन के कुछ उदाहरण निम्नलिखित हैं :

समस्या अध्ययन : 1

"रमेश को गंभीर अवस्था में अस्पताल में दाखिल किया गया है। परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन न कर पाने के कारण उसने तनाव से ग्रस्त हो कर आत्महत्या करने का प्रयत्न किया। वह एक होनहार छात्र है किन्तु 9वीं कक्षा में प्रवेश के बाद से वह परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहा है। कोई नहीं जानता कि किन स्थितियों के कारण उसने ऐसा किया है। परन्तु कुछ समय से रमेश के व्यवहार में एक विशेष परिवर्तन अवश्य हुआ है। उसके माता-पिता भी यह अनुभव करते हैं कि वह अपने मित्रों और सहपाठियों के साथ अधिक समय व्यतीत करने लगा है और वह अपनी पढ़ाई पर ध्यान नहीं दे रहा है। वह अपने माता-पिता के हस्तक्षेप का तीव्र विरोध करने लगा है।"

इस समस्या अध्ययन को ऊंचा पढ़ने के बाद शिक्षक को श्यामपट्ट पर निम्न प्रश्न लिखने चाहिएं।

- रमेश की शैक्षिक उपलब्धियों में अचानक गिरावट के क्या कारण हो सकते हैं ?
- क्या विपरीत लिंगी सहपाठियों अथवा मित्रों के प्रति अत्यधिक झुकाव के कारण उसका अध्ययन प्रभावित हुआ है ?
- क्या माता-पिता के साथ तनावपूर्ण संम्बन्धों के कारण उसका अध्ययन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है ?
- क्या अपने मित्रों के साथ अत्यधिक समय बिताने के कारण उसका प्रदर्शन प्रभावित हुआ है ?
- क्या आप रमेश द्वारा उठाए गए कदम से सहमत हैं ?
- यदि आप अनुभव करते हैं कि उसे ऐसा दुस्साहसपूर्ण कदम नहीं उठाना चाहिए था, तो उसे क्या करना चाहिए था ?

समस्या अध्ययन : 2

“ मोहन का हाल ही में एड्स के कारण निधन हो गया। उसके निधन के बाद कोई भी उसकी पत्नी और बच्चों के पास संवेदना प्रकट करने के लिए नहीं गया। लोगों का मानना कि उसने अनैतिक कार्य किया, जिसके कारण वह एच आई वी के संक्रमण से प्रभावित हुआ। कुछ लोगों की राय है कि मोहन के परिवार को गांव से निष्कासित कर देना चाहिए अन्यथा गांव के लोगों पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है।”

इस समस्या अध्ययन को ऊंचा पढ़ने के बाद शिक्षक को श्यामपट्ट पर निम्न प्रश्न लिखने चाहिए :

- लोग ऐसा व्यवहार क्यों कर रहे हैं?
- क्या आप लोगों के व्यवहार को उचित मानते हैं?
- मोहन की पत्नी, बच्चों और गांव के लोगों के पास दूसरे विकल्प क्या हैं?
- आपके बताए गए समाधान (विकल्प) का संभावित परिणाम क्या हो सकता है?

प्रतिक्रिया

हर बार गतिविधि के समापन पर छात्रों की प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए कुछ निश्चित कदम उठाए जाएं। सम्बन्धित अध्यापक निम्नानुसार विवरण तैयार करें :

1. किस कक्षा/कक्षाओं में समस्या अध्ययन के लिए गतिविधि का आयोजन किया गया?

2. क्या छात्रों ने विचार-विमर्श में सक्रिय रूप से भाग लिया? क्या उन्होंने प्रश्न पूछे?

3. क्या गतिविधि का आयोजन करते हुए उपर्युक्त सभी बातों का ध्यान रखा गया?

4. विचार-विमर्श में छात्रों की भागीदारी के आधार पर क्या यह कहा जा सकता है कि उन्होंने अपने विचार व्यक्त करते हुए, संप्रेषण एवं समानुभूति कौशलों का सही ढंग से प्रयोग किया?